

कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा

:: सफलता की कहानी ::

ग्राउंड बनने से छात्रों में उभरेगी खेल प्रतिभाएं
तामिया के जैतपुर स्कूल परिसर में मनरेगा की क्रीडांगन उपयोजना से बना मैदान

छिंदवाड़ा : दिनांक - 03/11/2011 : स्कूलों में खेल मैदान नहीं होने के कारण छात्र शिक्षा का अर्जन तो कर लेते हैं लेकिन उनके भीतर छिपी खेल प्रतिभाएं सामने नहीं आ पाती, लेकिन शासन की महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी नरेगा की क्रीडांगन उपयोजना से छात्रों को खेल की सुविधाएं उपलब्ध होने लगी हैं। तामिया विकासखंड की ग्राम पंचायत जैतपुर के स्कूल परिसर में मनरेगा की क्रीडांगन उपयोजना से बना खेल मैदान इसी का एक उदाहरण है। मैदान बनने



से न केवल खेल प्रतिभाएं उभर रही है बल्कि बच्चों का मानसिक, शारीरिक विकास भी हो रहा है। प्राचार्य श्री ए एस उडके ने बताया की जैतपुर शाला परिसर में प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल संचालित हैं जिसमें 500 से अधिक बच्चे अध्ययन करते हैं। इस परिसर में मैदान तो था लेकिन उबड़-खाबड़ होने के कारण छात्रों को खेलने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। महात्मा गांधी नरेगा से बने खेल मैदान से सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं

को खेलने के लिए मैदान उपलब्ध हो गया। छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी अपना नाम रोशन कर रहे हैं।

उपयंत्री श्री एस के सोनी ने बताया की ग्राम पंचायत द्वारा महात्मा गांधी नरेगा खेल मैदान बनाने का निर्णय लिया गया जिस पर अमल करते हुए जैतपुर शाला परिसर में वर्ष 2010-11 में करीब 110 मीटर लंबाई एवं 50 मीटर चौड़ाई के खेल मैदान का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया। मैदान की सुरक्षा के लिए चारों ओर बोल्टर वाल भी बनाई गई। इसके अतिरिक्त मैदान के आसपास पौधरोपण भी किया गया। इस कार्य पर पौने दो लाख रूपए की राशि पंचायत द्वारा व्यय की गई। खेल मैदान बनने से छात्रों को तो सुविधा हुई ही, पंचायत के मजदूरों को भी मजदूरी के अवसर प्राप्त हुए। छात्रों ने बताया की पहले ग्राउंड असमतल था जिससे खेलने में परेशानी होती थी, लेकिन अब पंचायत ने पूरे मैदान को समतल कर दिया है। क्रिकेट, , कबड्डी, , खो-खो, दौड़-, कूद आदि खेल आसानी से खेले जा सकते हैं। पालकों ने क्रीडांगन उपयोजना से खेल मैदान बनाए जाने को एक अच्छी पहल माना है। उनका मानना है की ग्राउंड बनने से बच्चों की खेल प्रतिभाएं उभरेंगी।

